3. **मिलान करो—**

क. घने जंगल में	बातों में आ गई।
ख. चींटियों की लंबी कतार	ज़ोरों की बारिश हो रही थी।
ग. टिनमिन बंटू की	बरगद का एक पेड़ था।
घ. रात को बहुत	खाने की तलाश में निकली।

इन पर विचार करो

1. चींटी हमें क्या-क्या सिखाती है? सोचो और बताओ।
2. केवल अपने हित के लिए किए गए कार्य का क्या फल मिलता है?

प्रशंसा-योग्य

- चींटियाँ अनुशासन परिश्रम और मिल-जुलकर काम करना सिखाती हैं।

जानी-अनजानी बातें

- चींटी एक सामाजिक जीव है। यह पेड़ या रेत में घर बनाकर रहती है। इनकी दस हज़ार से ज़्यादा प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

भाषा से

श्रुतलेख

घोंसला, पक्षी, रोज़, ठिठुरना, चींटियाँ, स्वार्थी

1. **वचन बदलो—**

चींटी — चीटियाँ	दाना — दाने	मिठाई — मिठाइयाँ
मक्खी — मक्खियाँ	छुट्टी — छुट्टियाँ	आँख — आँखें

2. **लिंग बदलकर लिखो–**

चींटी – चींटा	पति – पत्नी	चूहा – चुहिया
भाई – बहन	हलवाई – हलवाइन	चिड़ा – चिड़िया

3. **नीचे दिए शब्द दो प्रकार से लिखे जा सकते हैं। पढ़ो और समझो–**

ठंड – ठण्ड	कंबल – कम्बल	जंगल – जङ्गल
लंबी – लम्बी	सुंदर – सुन्दर	जंतु – जन्तु

प्रस्तावित गतिविधियाँ

1. यदि पेड़, हवा, जल और बादल स्वार्थी हो जाएँ, तो क्या होगा? सोचो और बताओ।
2. यदि कठिनाई में आपका मित्र आपकी सहायता न करे, तो आप अपने मित्र के बारे में क्या सोचेंगे?

हमने क्या सीखा

1. प्रकृति और जीव हमें मिल-जुलकर रहना सिखाते हैं।
2. स्वार्थी व्यक्ति अच्छाई और बुराई में फ़र्क करना भूल जाता है।
3. सच्चा मित्र कठिनाई के समय आपका साथ नहीं छोड़ता।